Downloaded From :http://cbseportal.com/

SET – 2

Series : GBM/1

कोड नं.
Code No. **67/1/2**

रोल नं.
Roll No.

परीक्षार्थी कोड को उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अवश्य लिखें ।
Candidates must write the Code on the title page of the answer-book.

- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ **23** हैं ।
- प्रश्न-पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिए गए कोड नम्बर को छात्र उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें ।
- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में **23** प्रश्न हैं ।
- **कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें ।**
- इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए 15 मिनट का समय दिया गया है । प्रश्न-पत्र का वितरण पूर्वाह्न में 10.15 बजे किया जायेगा । 10.15 बजे से 10.30 बजे तक छात्र केवल प्रश्न-पत्र को पढ़ेंगे और इस अवधि के दौरान वे उत्तर-पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे ।
- Please check that this question paper contains **23** printed pages.
- Code number given on the right hand side of the question paper should be written on the title page of the answer-book by the candidate.
- Please check that this question paper contains **23** questions.
- **Please write down the Serial Number of the question before attempting it.**
- 15 minute time has been allotted to read this question paper. The question paper will be distributed at 10.15 a.m. From 10.15 a.m. to 10.30 a.m., the students will read the question paper only and will not write any answer on the answer-book during this period.

लेखाशास्त्र

ACCOUNTANCY

निर्धारित समय : 3 घंटे — *अधिकतम अंक : 80*

Time allowed : 3 hours — *Maximum Marks : 80*

सामान्य निर्देश :

(i) *यह प्रश्न-पत्र **दो** खण्डों में विभक्त है – **क** और **ख** ।*

(ii) *खण्ड **क** सभी के लिए **अनिवार्य** है ।*

(iii) *खण्ड **ख** के **दो** विकल्प हैं – विकल्प – **I** वित्तीय विवरणों का विश्लेषण तथा विकल्प – **II** अभिकलित्र लेखांकन ।*

(iv) *खण्ड **ख** से केवल **एक** ही विकल्प के प्रश्नों के उत्तर लिखिए ।*

(v) *किसी प्रश्न के सभी खण्डों के उत्तर एक ही स्थान पर लिखे जाने चाहिए ।*

General Instructions :

(i) *This question paper contains **two** parts **A** and **B**.*

(ii) *Part **A** is **compulsory** for all.*

(iii) *Part **B** has **two** options – Option – **I** Analysis of Financial Statements and Option – **II** Computerized Accounting.*

(iv) *Attempt only **one** option of Part **B**.*

(v) *All parts of a question should be attempted at one place.*

Downloaded From :http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From :http://cbseportal.com/

CBSE PORTAL www.cbseportal.com

खण्ड – क

PART – A

(साझेदारी फर्मों तथा कम्पनियों के लिए लेखांकन)

(Accounting for Partnership Firms and Companies)

1. गुप्ता तथा शर्मा एक फर्म के साझेदार थे । वे फर्म में दो अन्य सदस्यों को प्रवेश देना चाहते थे । नाबालिगों के अतिरिक्त व्यक्तियों की ऐसी किन्हीं दो श्रेणियों की सूची दीजिए जिन्हें इनके द्वारा फर्म में प्रवेश नहीं दिया जा सकता । **1**

   Gupta and Sharma were partners in a firm. They wanted to admit two more members in the firm. List the categories of individuals other than minors who cannot be admitted by them.

2. वाई लिमिटेड ने ₹ 10 प्रत्येक के 100 समता अंशों का ₹ 2 प्रति अंश की प्रथम याचना राशि का भुगतान न करने पर हरण कर लिया । ₹ 2 प्रति अंश की अन्तिम याचना अभी माँगी जानी थी ।

   बट्टे की अधिकतम राशि की गणना कीजिए जिस पर इन अंशों का पुन: निर्गमन किया जा सकता है । **1**

   Y Ltd. forfeited 100 equity shares of ₹ 10 each for the non-payment of first call of ₹ 2 per share. The final call of ₹ 2 per share was yet to be made.

   Calculate the maximum amount of discount at which these shares can be re-issued.

3. क तथा ख एक फर्म के साझेदार थे तथा लाभ-हानि 4 : 3 के अनुपात में बाँटते थे । उन्होंने ग को एक नया साझेदार बनाया । क, ख तथा ग के मध्य नया लाभ अनुपात 3 : 2 : 2 था । क ने अपने भाग का ¼ भाग ग के पक्ष में त्याग दिया । ख के त्याग की गणना कीजिए । **1**

   A and B were partners in a firm sharing profits and losses in the ratio of 4 : 3. They admitted C as a new partner. The new profit sharing ratio between A, B and C was 3 : 2 : 2. A surrendered ¼ of his share in favour of C. Calculate B's Sacrifice.

Downloaded From :http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From :http://cbseportal.com/

4. पी तथा क्यू एक फर्म के साझेदार थे तथा लाभ बराबर बाँटते थे । उनकी स्थायी पूँजी क्रमश: ₹ 1,00,000 तथा ₹ 50,000 थीं । साझेदारी संलेख में पूँजी पर 10% वार्षिक ब्याज का प्रावधान था । 31 मार्च, 2016 को समाप्त हुए वर्ष के लिए पूँजी पर ब्याज लगाए बिना फर्म के लाभ का बँटवारा कर दिया गया ।

इस त्रुटि के शोधन हेतु आवश्यक समायोजन प्रविष्टि कीजिए । **1**

P and Q were partners in a firm sharing profits equally. Their fixed capitals were ₹ 1,00,000 and ₹ 50,000 respectively. The partnership deed provided for interest on capital at the rate of 10% per annum. For the year ended 31st march, 2016 the profits of the firm were distributed without providing interest on Capital.

Pass necessary adjustment entry to rectify the error.

5. एक्स लिमिटेड ने ₹ 100 प्रत्येक के 1000, 9% ऋणपत्रों को 6% के बट्टे पर निर्गमित करने के लिए आवेदन आमंत्रित किए । 1,200 ऋणपत्रों के लिए आवेदन प्राप्त हुए । सभी आवेदकों को अनुपातिक आधार पर आबंटन कर दिया गया ।

यह मानते हुए कि सारी राशि का भुगतान आवेदन के साथ करना था, ऋणपत्रों के निर्गमन के लिए आवश्यक रोजनामचा प्रविष्टियाँ कीजिए । **1**

X Ltd. invited applications for issuing 1000, 9% debentures of ₹ 100 each at a discount of 6%. Applications for 1,200 debentures were received. Pro-rata allotment was made to all the applicants.

Pass necessary Journal Entries for the issue of debentures assuming that the whole amount was payable with applications.

6. क्या साझेदारी फर्म का अलग वैधानिक अस्तित्व होता है ? अपने उत्तर के समर्थन में कारण दीजिए । **1**

Does partnership firm has a separate legal entity ? Give reason in support of your answer.

Downloaded From :http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From :http://cbseportal.com/

7. एक्स.एक्स.एल. लिमिटेड ने अपने ₹ 100 प्रत्येक के 500, 9% ऋणपत्रों जिन्हें 8% के बट्टे पर निर्गमित किया गया था, को ₹ 10 प्रत्येक के समता अंशों में परिवर्तित किया । समता अंशों का निर्गमन 25% के अधिलाभ पर किया गया । ऋणपत्रों के निर्गमन पर बट्टे को अभी तक अपलिखित नहीं किया गया है ।

अपने कार्यों को स्पष्टता से दर्शाते हुए 9% ऋणपत्रों के समता अंशों में परिवर्तन पर आवश्यक रोजनामचा प्रविष्टियाँ कीजिए । **3**

XXL Ltd. converted its 500, 9% debentures of ₹ 100 each issued at a discount of 8% into equity shares of ₹ 10 each issued at a premium of 25%. Discount on issue of debentures has not yet been written off.

Showing your workings clearly pass necessary Journal Entries on conversion of 9% debentures into equity shares.

8. क, ख, ग तथा घ एक फर्म के साझेदार थे तथा 3 : 3 : 3 : 1 के अनुपात में लाभ बाँटते थे । 31 जनवरी, 2017 को घ ने अवकाश ग्रहण कर लिया । क, ख तथा ग ने भविष्य में लाभ 5 : 1 : 1 के अनुपात में बाँटने का निर्णय लिया । घ के अवकाश ग्रहण करने पर फर्म की ख्याति का मूल्यांकन ₹ 4,90,000 किया गया ।

अपनी कार्यकारी टिप्पणी को स्पष्ट दर्शाते हुए घ के अवकाश ग्रहण करने पर ख्याति के लेखांकन के लिए फर्म की पुस्तकों में आवश्यक रोज़नामचा प्रविष्टि कीजिए । **3**

A, B, C and D were partners in a firm sharing profits in 3 : 3 : 3 : 1 ratio. On 31st January, 2017 D retired. A, B and C decided to share future profits in the ratio of 5 : 1 : 1. On D's retirement the goodwill of the firm was valued at ₹ 4,90,000.

Showing your working notes clearly pass necessary Journal Entry for the treatment of goodwill in the books of the firm on D's retirement.

9. आकाश लिमिटेड ₹ 10 प्रत्येक के समता अंशों में विभक्त ₹ 8,00,00,000 की अधिकृत पूँजी के साथ पंजीकृत है । कम्पनी की अभिदत्त तथा पूर्ण प्रदत्त पूँजी ₹ 4,00,00,000 थी । स्थानीय नवयुवकों को रोजगार प्रदान करने हेतु तथा जम्मू कश्मीर राज्य के ग्रामीण क्षेत्रों के विकास के लिए कम्पनी ने अनन्तनाग जिले में एक खाद्य परिशोधन इकाई की स्थापना का निर्णय लिया । कम्पनी ने लद्दाख, श्रीनगर तथा पुँछ में कौशल विकास केन्द्रों की स्थापना का भी निर्णय लिया । अपनी नवीन वित्तीय आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए कम्पनी ने ₹ 10 प्रत्येक के 1,00,000 समता अंशों तथा ₹ 100 प्रत्येक के 10,000, 9% ऋणपत्रों के निर्गमन का निर्णय लिया । ऋणपत्रों का शोधन पाँच वर्षों के पश्चात् करना था । समता अंशों तथा ऋणपत्रों का निर्गमन पूर्णरूप से अभिदत्त हो गया । 1000 अंशों का एक अंशधारक ₹ 2 प्रति अंश की अन्तिम याचना राशि का भुगतान करने में असफल रहा ।

कम्पनी अधिनियम, 2013 की सूची III के प्रावधानों के अनुसार कम्पनी के स्थिति विवरण में अंश पूँजी को प्रस्तुत कीजिए । ऐसे किन्हीं दो मूल्यों की पहचान भी कीजिए जिन्हें कम्पनी प्रसारित करना चाहती है । **3**

Downloaded From :http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From :http://cbseportal.com/

Akash Ltd. is registered with an authorized Capital of ₹ 8,00,00,000 divided into equity shares of ₹ 10 each. Subscribed and fully paid up share capital of the company was ₹ 4,00,00,000. For providing employment to the local youth and for the development of the rural areas of the Jammu and Kashmir State the company decided to set up a food processing unit in Anantnag district. The Company also decided to open skill development centres in Ladakh, Srinagar and Punch. To meet its new financial requirements the company decided to issue 1,00,000 equity shares of ₹ 10 each and 10,000, 9% debentures of ₹ 100 each. The debentures were redeemable after five years. The issue of equity shares and debentures was fully subscribed. A shareholder holding 1,000 shares failed to pay the final call of ₹ 2 per share.

Present the share capital in the Balance Sheet of the company as per the provisions of Schedule III of the Companies Act, 2013. Also, identify any two values that the company wishes to propagate.

10. ज़ैड़. लिमिटेड ने के. लिमिटेड से मशीनरी का क्रय किया । ज़ैड़ लिमिटेड ने के लिमिटेड को निम्न प्रकार से भुगतान किया :

(i) ₹ 10 प्रत्येक के 5,000 समता अंशों को 30% के अधिलाभ पर निर्गमित करके ।

(ii) ₹ 100 प्रत्येक के 1000, 8% ऋणपत्रों को 10% के बट्टे पर निर्गमित करके ।

(iii) शेष ₹ 48,000 का दो माह पश्चात देय एक प्रतिज्ञापत्र देकर ।

ज़ैड. लिमिटेड की पुस्तकों में मशीनरी के क्रय तथा के. लिमिटेड को इसके भुगतान की आवश्यक रोजनामचा प्रविष्टियाँ कीजिए । **3**

Z Ltd. purchased machinery from K Ltd. Z Ltd. paid K Ltd as follows :

(i) By issuing 5,000 equity shares of ₹ 10 each at a premium of 30%.

(ii) By issuing 1000, 8% Debentures of ₹ 100 each at a discount of 10%.

(iii) Balance by giving a promissory note of ₹ 48,000 payable after two months.

Pass necessary journal entries for the purchase of machinery and payment to K Ltd. in the books of Z Ltd.

Downloaded From :http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From :http://cbseportal.com/

11. संदीप, मंदीप तथा अमनदीप एक फर्म के साझेदार थे तथा 2 : 2 : 1 के अनुपात में लाभ बाँटते थे । फर्म अपनी पुस्तकें प्रति वर्ष 31 मार्च को बन्द करती है । 30 सितम्बर, 2016 को मंदीप का देहान्त हो गया । साझेदारी संलेख में प्रावधान था कि किसी साझेदार की मृत्यु पर उसके निष्पादक को निम्न देय होगा :

(1) उसके पूँजी खाते का शेष तथा पूँजी पर 12% वार्षिक ब्याज । 1-4-2016 को मंदीप के पूँजी खाते का शेष ₹ 1,00,000 था ।

(2) मृत्यु के वर्ष में फर्म के लाभ में उसका भाग, जिसका मूल्यांकन पिछले वर्ष के विक्रय पर शुद्ध लाभ की दर से किया जायेगा जो कि 25% थी । 30 सितम्बर, 2016 तक फर्म का विक्रय ₹ 9,00,000 था ।

(3) फर्म की ख्याति में उसका भाग । मंदीप की मृत्यु पर फर्म की ख्याति का मूल्यांकन ₹ 1,50,000 किया गया ।

साझेदारी संलेख में यह भी प्रावधान था कि मृत साझेदार को देय राशि में से निम्न की कटौती की जायेगी :

(1) मृत्यु के वर्ष में उसका आहरण । 30 सितम्बर, 2016 तक मंदीप का आहरण ₹ 4,000 था ।

(2) आहरण पर 6% वार्षिक ब्याज जिसकी गणना ₹ 120 की गई ।

मंदीप के निष्पादक को प्रस्तुत करने के लिए फर्म के लेखपाल ने मंदीप का खाता तैयार किया परन्तु जल्दी में उसने इसे अधूरा छोड़ दिया । फर्म के लेखपाल द्वारा तैयार किया गया मंदीप का पूँजी खाता नीचे प्रस्तुत किया गया है :

Dr. **मंदीप का पूँजी खाता** **Cr.**

तिथि	विवरण	राशि ₹	तिथि	विवरण	राशि ₹
2016			2016		
सितम्बर 30	....	4,000	अप्रैल 1	....	1,00,000
" "	....	–	सित. 30	....	6,000
" "	....	–	" "	....	90,000
			" "	....	40,000
			" "	....	20,000
		2,56,000			**2,56,000**

मंदीप के पूँजी खाते को पूरा कीजिए । **4**

Downloaded From :http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From :http://cbseportal.com/

CBSE PORTAL www.cbseportal.com

Sandeep, Mandeep and Amandeep were partners in a firm sharing profits in the ratio of 2 : 2 : 1. The firm closes its books on 31st March every year. On 30th September, 2016 Mandeep died. The partnership deed provided that on the death of a partner his executors will be entitled to the following :

(1) Balance in his capital account and interest @ 12% p.a. on capital. On 1-4-2016 the balance in Mandeep's Capital Account was ₹ 1,00,000.

(2) His share in the profits of the firm in the year of his death which will be calculated on the basis of rate of net profit on sales of the previous year which was 25%. The sales of the firm till 30th September, 2016 were ₹ 9,00,000.

(3) His share in the goodwill of the firm. The goodwill of the firm on Mandeep's death was valued at ₹ 1,50,000.

The partnership deed also provided that the following deductions will be made from the amount payable to the executor of the deceased partner :

(1) His drawings in the year of his death. Mandeep's drawings till 30th September, 2016 were ₹ 4,000.

(2) Interest on drawings @ 6% per annum which was calculated as ₹ 120.

The accountant of the firm prepared Mandeep's Capital Account to be presented to the executor of Mandeep but in a hurry he left it incomplete. Madeep's capital Account prepared by Accountant of the firm is shown below :

Dr. Mandeep's Capital Account Cr.

Date	Particulars	Amount ₹	Date	Particulars	Amount ₹
2016			2016		
Sep. 30	....	4,000	April 1	....	1,00,000
" "	....	–	Sep. 30	....	6,000
" "	....	–	" "	....	90,000
			" "	....	40,000
			" "	....	20,000
		2,56,000			**2,56,000**

You are required to complete Mandeep's Capital Account.

Downloaded From :http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From :http://cbseportal.com/

CBSE PORTAL www.cbseportal.com

12. करन तथा वरुण एक फर्म के साझेदार थे तथा 1 : 2 के अनुपात में लाभ बाँटते थे । उनकी स्थायी पूँजी क्रमश: ₹ 2,00,000 तथा ₹ 3,00,000 थी । 1 अप्रैल, 2016 को किशोर को लाभ के 1/4 भाग के लिए एक नया साझेदार बनाया गया । किशोर अपनी पूँजी के लिए ₹ 2,00,000 लाया जिसे करन तथा वरुण की पूँजियों की तरह स्थायी रखा जाना था । किशोर ने लाभ का अपना भाग वरुण से प्राप्त किया ।
किशोर के प्रवेश पर फर्म की ख्याति की गणना कीजिए तथा करन, वरुण एवं किशोर के नये लाभ अनुपात की गणना कीजिए । किशोर के प्रवेश पर ख्याति के लेखांकन के लिए आवश्यक रोजनामचा प्रविष्टि भी कीजिए, यह मानते हुए कि किशोर ख्याति अधिलाभ का अपना भाग नगद नहीं लाया । **4**

Karan and Varun were partners in a firm sharing profits and losses in the ratio of 1 : 2. Their fixed capitals were ₹ 2,00,000 and ₹ 3,00,000 respectively. On 1st April, 2016 Kishore was admitted as a new partner for $\frac{1}{4}^{th}$ share in the profits. Kishore brought ₹ 2,00,000 for his capital which was to be kept fixed like the capitals of Karan and Varun. Kishore acquired his share of profit from Varun.
Calculate goodwill of the firm on Kishore's admission and the new profit sharing ratio of Karan, Varun and Kishore. Also, pass necessary Journal Entry for the treatment of Goodwill on Kishore's admission considering that Kishore did not bring his share of goodwill premium in Cash.

13. राम, मोहन, सोहन तथा हरी एक फर्म के साझेदार थे तथा 4 : 3 : 2 : 1 के अनुपात में लाभ बाँटते थे । 1-4-2016 को उनका स्थिति विवरण निम्न प्रकार से था :

1-4-2016 को राम, मोहन, सोहन तथा हरी का स्थिति विवरण

देयताएँ		राशि ₹	सम्पत्तियाँ	राशि ₹
पूँजी :			स्थायी सम्पत्तियाँ	9,00,000
राम	4,00,000		चालू सम्पत्तियाँ	5,20,000
मोहन	4,50,000			
सोहन	2,50,000			
हरी	2,00,000	13,00,000		
कामगार क्षतिपूर्ति संचय		1,20,000		
		14,20,000		**14,20,000**

Downloaded From :http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From :http://cbseportal.com/

उपरोक्त तिथि से साझेदारों ने भविष्य में लाभ 1 : 2 : 3 : 4 के अनुपात में बाँटने का निर्णय किया । इस उद्देश्य के लिए फर्म की ख्याति का मूल्यांकन ₹ 1,80,000 किया गया । साझेदारों ने निम्न के बारे में भी निर्णय लिया :

(i) कामगार क्षतिपूर्ति दावे का अनुमान ₹ 1,50,000 लगाया गया ।

(ii) चालू खाते खोलकर साझेदारों की पूँजियों को नये लाभ अनुपात में समायोजित करना । पुनर्मूल्यांकन खाता, साझेदारों के पूँजी खाते तथा पुनर्गठित फर्म का स्थिति विवरण तैयार कीजिए । **6**

Ram, Mohan, Sohan and Hari were partners in a firm sharing profits in the ratio of 4 : 3 : 2 : 1. On 1-4-2016 their Balance Sheet was as follows :

Balance Sheet of Ram, Mohan, Sohan and Hari as on 1-4-2016

Liabilities		Amount ₹	Assets	Amount ₹
Capitals :			Fixed Assets	9,00,000
Ram	4,00,000		Current Assets	5,20,000
Mohan	4,50,000			
Sohan	2,50,000			
Hari	2,00,000	13,00,000		
Workmen Compensation Reserve		1,20,000		
		14,20,000		**14,20,000**

From the above date the partners decided to share the future profits in the ratio of 1 : 2 : 3 : 4. For this purpose the goodwill of the firm was valued at ₹ 1,80,000. The partners also agreed for the following :

(i) The claim for workmen compensation has been estimated at ₹ 1,50,000.

(ii) Adjust the capitals of the partners according to new profit sharing ratio by opening partner's current accounts.

Prepare Revaluation Account, Partners Capital Accounts and the Balance Sheet of the reconstituted firm.

Downloaded From :http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From :http://cbseportal.com/

14. 1-4-2015 को वी.वी.एल. लिमिटेड ने ₹ 100 प्रत्येक के 1000, 9% ऋणपत्रों का निर्गमन 6% के बट्टे पर किया । ऋणपत्रों का शोधन तीन वर्षों के पश्चात् 10% के अधिलाभ पर करना है ।

31-3-2016 को समाप्त हुए वर्ष के लिए ऋणपत्रों के निर्गमन तथा ऋणपत्रों पर ब्याज की प्रविष्टियाँ यह मानते हुए कीजिए कि ब्याज 30 सितम्बर तथा 31 मार्च को देय है तथा स्रोत पर कर कटौती की दर 10% है । कम्पनी अपनी पुस्तकें प्रतिवर्ष 31 मार्च को बन्द करती है । **6**

On 1-4-2015 V.V.L. Ltd issued 1000, 9% debentures of ₹ 100 each at a discount of 6%, redeemable at a premium of 10% after three years.

Pass necessary journal entries for the issue of debentures and debenture interest for the year ended 31-3-2016, assuming that interest is payable on 30th September and 31st March and the rate of tax deducted at source is 10%. The company closes its books on 31st March every year.

15. एक साझेदारी फर्म के विघटन के समय निम्न अवस्थाओं में आवश्यक रोजनामचा प्रविष्टियाँ कीजिए :

(i) एक साझेदार, एल, को विघटन प्रक्रिया की देखरेख के लिए नियुक्त किया गया जिसके लिए उसे ₹ 10,000 वेतन दिया गया ।

(ii) साझेदार, एम ने ₹ 8,000 विघटन व्यय का भुगतान किया ।

(iii) विघटन व्यय ₹ 5,000 थे ।

(iv) साझेदार, पी, को विघटन प्रक्रिया की देखरेख के लिए नियुक्त किया गया जिसके लिए उसे ₹ 7,000 का वेतन देय था । पी. विघटन व्यय वहन करने के लिए सहमत हुआ । वास्तविक विघटन व्यय ₹ 4,000 थे । जिनका भुगतान पी द्वारा किया गया ।

(v) एक साझेदार, एन, को विघटन कार्य की देखरेख के लिए नियुक्त किया गया जिसके लिए उसे ₹ 9,000 का वेतन देय था । एन विघटन व्ययों को वहन करने पर सहमत हुआ । वास्तविक विघटन व्यय ₹ 4,000 का भुगतान फर्म द्वारा किया गया ।

(vi) एक साझेदार, क्यू, को विघटन प्रक्रिया की देखरेख के लिए नियुक्त किया गया । इसके लिए उसे ₹ 18,000 वेतन देय था । क्यू ने ₹ 18,000 के स्टॉक को वेतन के रूप में लेने की सहमति दी । स्टॉक को पहले ही वसूली खाते में स्थानान्तरित कर दिया गया था । **6**

Pass necessary Journal Entries on the dissolution of a partnership firm in the following cases :

(i) L, a partner, was appointed to look after the dissolution process for which he was given a remuneration of ₹ 10,000.

(ii) Dissolution expenses ₹ 8,000 were paid by the partner, M.

(iii) Dissolution expenses were ₹ 5,000.

(iv) P, a partner, was appointed to look after the process of dissolution for which he was allowed a remuneration of ₹ 7,000. P agreed to bear the dissolution expenses. Actual dissolution expenses ₹ 4,000 were paid by P.

(v) N, a partner, was appointed to look after the process of dissolution for which he was allowed a remuneration of ₹ 9,000. N agreed to bear the dissolution expenses. Actual dissolution expenses ₹ 4,000 were paid by the firm.

Downloaded From :http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From :http://cbseportal.com/

CBSE PORTAL
www.cbseportal.com

(vi) Q a partner was appointed to look after the process of dissolution for which he was allowed a remuneration of ₹ 18,000. Q agreed to take over stock worth ₹ 18,000 as his remuneration. The stock had already been transferred to Realisation Account.

16. ए.एक्स.एन. लिमिटेड ने ₹ 10 प्रत्येक के 1,00,000 समता अंशों को ₹ 6 प्रति अंश के अधिलाभ पर निर्गमित करने के लिए आवेदन आमंत्रित किये । राशि का भुगतान निम्न प्रकार से करना था :

आवेदन पर ₹ 4 प्रति अंश (₹ 2 अधिलाभ सहित)
आबंटन पर ₹ 5 प्रति अंश (₹ 2 अधिलाभ सहित)
प्रथम याचना पर ₹ 4 प्रति अंश (₹ 2 अधिलाभ सहित)
दूसरी तथा अंतिम याचना पर – शेष राशि

निर्गम पूर्णत: अभिदत्त हो गया ।
400 अंशों के एक धारक, कुमार, ने आबंटन राशि का भुगतान नहीं किया तथा 1000 अंशों के एक धारक, रवि, ने आबंटन राशि के साथ सारी अंशराशि का भुगतान कर दिया । आबंटन के तुरन्त पश्चात् कुमार के अंशों का हरण कर लिया गया उसके पश्चात् प्रथम याचना राशि माँगी गई । 300 अंशों के एक धारक, गुप्ता, ने प्रथम याचना राशि का भुगतान नहीं किया तथा 600 अंशों के एक धारक, गोपाल, ने प्रथम याचना राशि के साथ दूसरी याचना राशि का भी भुगतान कर दिया । प्रथम याचना राशि प्राप्ति के तुरन्त पश्चात् गुप्ता के अंशों का हरण कर लिया गया । इसके पश्चात् दूसरी तथा अन्तिम याचना राशि माँगी गई । दूसरी याचना राशि पर देय सभी राशि प्राप्त हो गई ।
हरण किये गये सभी अंशों को ₹ 9 प्रति अंश पूर्ण प्रदत्त पुन: निर्गमित कर दिया गया ।
उपरोक्त लेनदेनों के लिए कम्पनी की पुस्तकों में आवश्यक रोजनामचा प्रविष्टियाँ कीजिए ।

अथवा

एक्स.एल. लिमिटेड ने ₹ 10 प्रत्येक के 1,00,000 समता अंशों को सममूल्य पर निर्गमित करने के लिए आवेदन आमंत्रित किये । राशि का भुगतान निम्न प्रकार से करना था :

आवेदन पर ₹ 3 प्रति अंश
आबंटन पर ₹ 4 प्रति अंश
प्रथम तथा अन्तिम याचना पर ₹ 3 प्रति अंश ।

निर्गम तीन गुना अधि अभिदत्त हुआ । 20% अंशों के आवेदनों को रद्द कर दिया गया तथा आवेदन राशि वापिस कर दी गई । शेष आवेदकों को निम्न प्रकार से आबंटन किया गया :

श्रेणी	**आवेदन किये गये अंशों की संख्या**	**आबंटित अंशों की संख्या**
I	1,60,000	80,000
II	80,000	20,000

आवेदन पर प्राप्त अतिरिक्त राशि का समायोजन आबंटन तथा प्रथम एवं अन्तिम याचना पर देय राशि में कर लिया गया । सभी याचना माँग ली गई तथा प्राप्त हो गई, श्रेणी I के एक अंशधारक को छोड़कर जिसने 320 अंशों के लिए आवेदन किया था । उसके अंशों का हरण कर लिया गया । हरण किये गये अंशों को ₹ 15 प्रति अंश पूर्ण प्रदत्त पुन: निर्गमित कर दिया गया ।
उपरोक्त लेनदेनों के लिए एक्स.एल. लिमिटेड की पुस्तकों में आवश्यक रोजनामचा प्रविष्टियाँ कीजिए । आवश्यकतानुसार अदत्त याचना खाता तथा अग्रिम याचना खाता खोलिए । **8**

Downloaded From :http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From :http://cbseportal.com/

CBSE PORTAL www.cbseportal.com

AXN Ltd. invited applications for issuing 1,00,000 equity shares of ₹ 10 each at a premium of ₹ 6 per share. The amount was payable as follows :

On Application ₹ 4 per share (including ₹ 2 premium).

On Allotment ₹ 5 per share (including ₹ 2 premium).

On First Call ₹ 4 per share (including ₹ 2 premium).

On Second and Final Call – Balance Amount.

The issue was fully subscribed.

Kumar the holder of 400 shares did not pay the allotment money and Ravi the holder of 1,000 shares paid his entire share money alongwith allotment money. Kumar's shares were forfeited immediately after allotment. Afterwards first call was made. Gupta a holder of 300 shares failed to pay the first call money and Gopal a holder of 600 shares paid the second call money also alongwith first call. Gupta's shares were forfeited immediately after the first call. Second and final call was made afterwards. The whole amount due on second call was received.

All the forfeited shares were re-issued at ₹ 9 per share fully paid up.

Pass necessary Journal Entries for the above transactions in the books of the company.

OR

XL Ltd. invited applications for issuing 1,00,000 equity shares of ₹ 10 each at par. The amount was payable as follows :

On Application ₹ 3 per share.

On Allotment ₹ 4 per share.

On First and Final Call ₹ 3 per share.

The issue was over-subscribed by three times. Applications for 20% shares were rejected and the money refunded. Allotment was made to the remaining applicants as follows :

Category	No. of Shares Applied	No. of Shares Allotted
I	1,60,000	80,000
II	80,000	20,000

Excess money received with applications was adjusted towards sums due on allotment and first and final call. All calls were made and were duly received except

Downloaded From :http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From :http://cbseportal.com/

CBSE PORTAL www.cbseportal.com

the final call by a shareholder belonging to Category I who has applied for 320 shares. His shares were forfeited. The forfeited shares were re-issued at ₹ 15 per share fully paid up.

Pass necessary Journal entries for the above transactions in the book of XL Ltd. open calls in-arrears and calls in advance account whenever required.

17. डब्ल्यू तथा आर एक फर्म के साझेदार हैं तथा 3 : 2 के अनुपात में लाभ बाँटते हैं । 31 मार्च, 2016 को उनका स्थिति विवरण निम्न प्रकार से था :

31-3-2016 को डब्ल्यू तथा आर का स्थिति विवरण

देयताएँ			राशि ₹	सम्पत्तियाँ	राशि ₹
विभिन्न लेनदार			20,000	रोकड़	12,000
डूबत ऋणों के लिए प्रावधान			2,000	देनदार	18,000
अदत्त वेतन			3,000	स्टॉक	20,000
सामान्य संचय			5,000	फर्नीचर	40,000
पूँजी :				प्लान्ट तथा मशीनरी	40,000
	डब्ल्यू	60,000			
	आर	40,000	1,00,000		
			1,30,000		**1,30,000**

उपरोक्त तिथि को, निम्न शर्तों के साथ सी. को लाभ के 1/6 भाग के लिए एक नया साझेदार बनाया गया :

(i) सी. अपनी पूँजी के लिए ₹ 30,000 तथा ख्याति प्रीमियम के अपने भाग के लिए ₹ 10,000 लायेगा, जिसका आधा भाग डब्ल्यू तथा आर द्वारा आहरण कर लिया जायेगा ।

(ii) ₹ 1,500 के देनदारों को डूबत ऋणों के रूप में अपलिखित कर दिया जायेगा तथा देनदारों पर संदिग्ध एवं डूबत ऋणों के लिए 5% का प्रावधान किया जायेगा ।

(iii) अदत्त वेतन का भुगतान कर दिया जायेगा ।

(iv) स्टॉक पर 10%, फर्नीचर पर ₹ 500 तथा प्लांट तथा मशीनरी पर 8% मूल्यह्रास लगाया जायेगा ।

(v) स्थिति विवरण में नहीं दर्शाये गये ₹ 2,500 के निवेशों का लेखा किया जायेगा ।

(vi) ₹ 2,100 का एक लेनदार, जिसका लेखा पुस्तकों में नहीं किया गया है, का लेखा किया जायेगा ।

फर्म की पुस्तकों में सी. के प्रवेश पर उपरोक्त लेनदेनों के लिए आवश्यक रोज़नामचा प्रविष्टियाँ कीजिए ।

अथवा

Downloaded From :http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From :http://cbseportal.com/

CBSE PORTAL
www.cbseportal.com

एम, एन तथा जी एक फर्म के साझेदार थे तथा 5 : 3 : 2 के अनुपात में लाभ बाँटते थे । 31 मार्च, 2016 को उनका स्थिति विवरण निम्न प्रकार से था :

31-3-2016 को एम.एन. तथा जी का स्थिति विवरण

देयताएँ		राशि ₹	सम्पत्तियाँ		राशि ₹
लेनदार		55,000	रोकड़		40,000
सामान्य संचय		30,000	देनदार	45,000	
पूँजी खाते :			घटा प्रावधान	5,000	40,000
एम	1,50,000		स्टॉक		50,000
एन	1,25,000		मशीनरी		1,50,000
जी	75,000	3,50,000	एकस्व		30,000
			भवन		1,00,000
			लाभ-हानि खाता		25,000
		4,35,000			**4,35,000**

उपरोक्त तिथि को एम ने अवकाश ग्रहण किया तथा निम्न पर सहमति हुई :

(i) ₹ 2,000 के देनदारों को डूबत ऋणों के रूप में अपलिखित किया जायेगा तथा देनदारों पर संदिग्ध तथा डूबत ऋणों के लिए प्रावधान को 5% पर रखा जायेगा ।

(ii) एकस्वों को पूर्णत: अपलिखित किया जायेगा तथा स्टॉक, मशीनरी एवं भवन पर 5% मूल्यह्रास लगाया जायेगा ।

(iii) ₹ 10,000 का एक लेनदार, जिसका लेखा नहीं किया गया है, का लेखा किया जायेगा ।

(iv) एन तथा जी भविष्य में लाभ 2 : 3 के अनुपात में बाँटेंगे ।

(v) एम के अवकाश ग्रहण करने पर फर्म की ख्याति का मूल्यांकन ₹ 3,00,000 किया गया ।

एम के अवकाश ग्रहण करने पर उपरोक्त लेनदेनों के लिए फर्म की पुस्तकों में आवश्यक रोजनामचा प्रविष्टियाँ कीजिए । **8**

W and R are partners in a firm sharing profits in the ratio of 3 : 2. Their Balance Sheet as on 31st March, 2016 was as follows :

Balance Sheet of W and R as on 31-3-2016

Liabilities		Amount ₹	Assets	Amount ₹
Sundry Creditors		20,000	Cash	12,000
Provision for Bad Debts		2,000	Debtors	18,000
Outstanding Salary		3,000	Stock	20,000
General Reserve		5,000	Furniture	40,000
Capitals :			Plant & Machinery	40,000
W	60,000			
R	40,000	1,00,000		
		1,30,000		**1,30,000**

Downloaded From :http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From :http://cbseportal.com/

On the above date C was admitted for $\frac{1}{6}^{th}$ share in the profits on the following terms :

(i) C will bring ₹ 30,000 as his capital and ₹ 10,000 for his share of goodwill premium, half of which will be withdrawn by W and R.

(ii) Debtors ₹ 1,500 will be written off as bad debts and a provision of 5% will be created for bad and doubtful debts.

(iii) Outstanding salary will be paid off.

(iv) Stock will be depreciated by 10%, furniture by ₹ 500 and Plant and Machinery by 8%.

(v) Investments ₹ 2,500 not mentioned in the balance sheet were to be taken into account.

(vi) A creditor of ₹ 2,100 not recorded in the books was to be taken into account.

Pass necessary Journal Entries for the above transactions in the books of the firm on C's admission.

OR

M, N and G were partners in a firm sharing profits and losses in the ratio of 5:3:2. On 31-3-2016 their Balance Sheet was as under :

Balance Sheet of M, N and G as on 31-3-2016

Liabilities		Amount ₹	Assets		Amount ₹
Creditors		55,000	Cash		40,000
General Reserve		30,000	Debtors	45,000	
Capitals :			Less Provision	5,000	40,000
M	1,50,000		Stock		50,000
N	1,25,000		Machinery		1,50,000
G	75,000	3,50,000	Patents		30,000
			Building		1,00,000
			Profit & Loss A/c		25,000
		4,35,000			**4,35,000**

M retired on the above date and it was agreed that :

(i) Debtors of ₹ 2,000 will be written off as bad debts and a provision of 5% on debtors for bad and doubtful debts will be maintained.

(ii) Patents will be completely written off and stock, machinery and building will be depreciated by 5%.

(iii) An unrecorded creditor of ₹10,000 will be taken into account.

(iv) N and G will share the future profits in the ratio of 2 : 3.

(v) Goodwill of the firm on M's retirement was valued at ₹ 3,00,000.

Pass necessary Journal Entries for the above transactions in the books of the firm on M's retirement.

Downloaded From :http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From :http://cbseportal.com/

खण्ड – ख

PART – B

विकल्प – I

Option – I

(वित्तीय विवरणों का विश्लेषण)

(Analysis of Financial Statements)

18. 'रोकड़ एवं रोकड़ तुल्य को छोड़कर शुद्ध कार्यशील पूँजी में कमी' प्रचालन गतिविधियों से रोकड़ प्रवाह को बढ़ाएगी, घटाएगी अथवा इसमें कोई परिवर्तन नहीं होगा । अपने उत्तर के समर्थन में कारण दीजिए । **1**

'Net decrease in working capital other than cash and cash equivalents' will increase, decrease or not change cash flow from operating activities. Give reason in support of your answer.

19. रोकड़ प्रवाह विवरण तैयार करते समय 'ब्याज एवं लाभांश के भुगतान एवं प्राप्ति को' किस प्रकार की गतिविधि माना जाता है ? **1**

'Payment and Receipt of interest and dividend' is classified as which type of activity while preparing cash flow statement ?

20. वित्तीय विवरणों के विश्लेषण की किन्हीं चार सीमाओं का उल्लेख कीजिए । **4**

State any four limitations of analysis of financial statements.

21. वित्तीय विवरण एकरूप लेखांकन अवधारणाओं, सिद्धान्तों, प्रक्रियाओं तथा विधिक पर्यावरण जिसमें व्यावसायिक संगठन प्रचालित होते हैं, को ध्यान में रखकर तैयार किए जाते हैं । ये विवरण ऐसी सूचना का स्रोत होते हैं जिसके आधार पर एक कम्पनी की लाभप्रदत्ता एवं वित्तीय स्थिति के विषय में निष्कर्ष निकाले जा सकते हैं ताकि इनके उपयोगकर्ता इन्हें आसानी से समझ सकें तथा इनका उपयोग अपने आर्थिक निर्णयों में अर्थपूर्ण ढंग से कर सकें ।

उपरोक्त कथन से ऐसे किन्हीं दो मूल्यों की पहचान कीजिए जिनका ध्यान किसी कम्पनी को अपने वित्तीय विवरण तैयार करते समय रखना चाहिए । यह भी उल्लेख कीजिए कि कम्पनी अधिनियम, 2013 की सूची III के अनुसार एक कम्पनी के स्थिति विवरण में निम्न मदों को किन-किन मुख्य शीर्षकों तथा उप-शीर्षकों के अन्तर्गत दर्शाया जायेगा ।

सामान्य संचय, लघु-अवधि ऋण तथा अग्रिम, पूँजीगत कार्य प्रगति पर तथा डिजाइन । **4**

Downloaded From :http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From :http://cbseportal.com/

Financial statements are prepared following the consistent accounting concepts, principles, procedures and also the legal environment in which the business organizations operate. These statements are the sources of information on the basis of which conclusions are drawn about the profitability and financial position of a company so that their users can easily understand and use them in their economic decisions in a meaningful way.

From the above statement identify any two values that a company should observe while preparing its financial statements. Also state under which major headings and sub-headings the following items will be presented in the balance sheet of a company as per Schedule III of the Companies Act 2013.

General Reserves, short term loans and advances, Capital work in progress and design.

22. एक कम्पनी का तरलता अनुपात 0.8 : 1 है । कारण सहित बताइए कि निम्नलिखित लेनदेनों से तरलता अनुपात बढ़ेगा, घटेगा अथवा इसमें कोई परिवर्तन नहीं होगा :

(1) ₹ 2,000 के खुदरा औज़ारों का क्रय ।

(2) ₹ 500 पूर्वदत्त बीमा प्रीमियम का भुगतान ।

(3) ₹ 3,000 के माल का उधार विक्रय ।

(4) ₹ 5,000 के एक देय बिल का इसके परिपक्व होने पर भुगतान । **4**

The Quick ratio of a company is 0.8 : 1. State with reason whether the following transactions will increase, decrease or not change the quick ratio :

(1) Purchase of loose tools ₹ 2,000.

(2) Insurance premium paid in advance ₹ 500.

(3) Sale of goods on credit ₹ 3,000.

(4) Honoured a bills payable ₹ 5,000 on maturity.

Downloaded From :http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From :http://cbseportal.com/

23. 31 मार्च, 2016 को आर.एस. लिमिटेड का स्थिति विवरण निम्न प्रकार से था :

आर.एस. लिमिटेड का 31 मार्च, 2016 का स्थिति विवरण

विवरण	**नोट सं.**	**31-3-2016 ₹**	**31-3-2015 ₹**
I. **समता तथा देयताएँ**			
(1) अंशधारी निधियाँ			
(a) अंश पूँजी		9,00,000	7,00,000
(b) संचय एवं आधिक्य	1	2,50,000	1,00,000
(2) अचल देयताएँ			
दीर्घकालीन ऋण	2	4,50,000	3,50,000
(3) चालू देयताएँ			
(a) लघुकालीन ऋण	3	1,50,000	75,000
(b) लघुकालीन प्रावधान	4	2,00,000	1,25,000
कुल		**19,50,000**	**13,50,000**
II. **परिसम्पत्तियाँ**			
(1) अचल परिसम्पत्तियाँ			
(a) स्थायी सम्पत्तियाँ			
(i) मूर्त	5	14,65,000	9,15,000
(ii) अमूर्त	6	1,00,000	1,50,000
(b) अचल निवेश		1,50,000	1,00,000
(2) चालू परिसम्पत्तियाँ			
(a) चालू निवेश		40,000	70,000
(b) स्टॉक (मालसूची)	7	1,22,000	72,000
(c) रोकड़ तथा रोकड़ तुल्य		73,000	43,000
कुल		**19,50,000**	**13,50,000**

Downloaded From :http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From :http://cbseportal.com/

खातों के नोट्स :

नोट सं.	विवरण	31-3-2016 ₹	31-3-2015 ₹
1.	संचय एवं आधिक्य (आधिक्य लाभ-हानि विवरण का शेष)	2,50,000	1,00,000
		2,50,000	**1,00,000**
2.	दीर्घकालीन ऋण – 12% ऋणपत्र	4,50,000	3,50,000
		4,50,000	**3,50,000**
3.	लघुकालीन ऋण – बैंक अधिविकर्ष	1,50,000	75,000
		1,50,000	**75,000**
4.	लघुकालीन प्रावधान – प्रस्तावित लाभांश	2,00,000	1,25,000
		2,00,000	**1,25,000**
5.	मूर्त परिसम्पत्तियाँ		
	मशीनरी	16,75,000	10,55,000
	एकत्रित मूल्यह्रास	(2,10,000)	(1,40,000)
		14,65,000	**9,15,000**
6.	अमूर्त सम्पत्तियाँ		
	ख्याति	1,00,000	1,50,000
		1,00,000	**1,50,000**
7.	स्टॉक (मालसूची)		
	स्टॉक (बिक्री के लिए माल)	1,22,000	72,000
		1,22,000	**72,000**

अतिरिक्त सूचना :

(1) ₹ 1,00,000, 12% ऋणपत्रों का निर्गमन 31-3-2016 को किया गया ।

(2) वर्ष में एक मशीन जिसकी लागत ₹ 80,000 थी तथा जिस पर एकत्रित मूल्यह्रास ₹ 40,000 था को ₹ 10,000 की हानि पर बेचा गया ।

रोकड़ प्रवाह विवरण तैयार कीजिए । **6**

Downloaded From :http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From :http://cbseportal.com/

CBSE PORTAL www.cbseportal.com

Following is the Balance Sheet of R.S. Ltd as at 31st March, 2016 :

R.S. Ltd. Balance Sheet as at 31-3-2016

Particulars	Note No.	31-3-2016 ₹	31-3-2015 ₹
I. Equity and Liabilities			
(1) Shareholder's Funds			
(a) Share Capital		9,00,000	7,00,000
(b) Reserves and Surplus	1	2,50,000	1,00,000
(2) Non-current Liabilities			
Long-term borrowings	2	4,50,000	3,50,000
(3) Current Liabilities			
(a) Short-term borrowings	3	1,50,000	75,000
(b) Short-term provisions	4	2,00,000	1,25,000
Total		**19,50,000**	**13,50,000**
II. Assets			
(1) Non-current Assets			
(a) Fixed Assets			
(i) Tangible	5	14,65,000	9,15,000
(ii) Intangible	6	1,00,000	1,50,000
(b) Non-current Investments		1,50,000	1,00,000
(2) Current Assets			
(a) Current Investments		40,000	70,000
(b) Inventories	7	1,22,000	72,000
(c) Cash and Cash Equivalents		73,000	43,000
Total		**19,50,000**	**13,50,000**

Downloaded From :http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From :http://cbseportal.com/

CBSE PORTAL www.cbseportal.com

Notes to Accounts :

Note No.	Particulars	31-3-2016 ₹	31-3-2015 ₹
1.	Reserves and Surplus (Surplus i.e. Balance in the Statement of Profit and Loss)	2,50,000	1,00,000
		2,50,000	**1,00,000**
2.	Long-term borrowings – 12% Debentures	4,50,000	3,50,000
		4,50,000	**3,50,000**
3.	Short-term borrowings – Bank overdraft	1,50,000	75,000
		1,50,000	**75,000**
4.	Short-term provisions – Proposed Dividend	2,00,000	1,25,000
		2,00,000	**1,25,000**
5.	Tangible Assets		
	Machinery	16,75,000	10,55,000
	Accumulated Depreciation	(2,10,000)	(1,40,000)
		14,65,000	**9,15,000**
6.	Intangible Assets		
	Goodwill	1,00,000	1,50,000
		1,00,000	**1,50,000**
7.	Inventories		
	Stock in trade	1,22,000	72,000
		1,22,000	**72,000**

Additional Information :

(1) ₹ 1,00,000, 12% Debentures were issued on 31-3-2016.

(2) During the year a piece of machinery costing ₹ 80,000, on which accumulated depreciation was ₹ 40,000, was sold at a loss of ₹ 10,000.

Prepare a Cash Flow Statement.

Downloaded From :http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From :http://cbseportal.com/

खण्ड – ख
PART – B
विकल्प – II
Option – II
(अभिकलित्र लेखांकन)
(Computerized Accounting)

18. 'डेटा बेस' का क्या अर्थ है ? **1**

What is a 'Database' ?

19. आँकड़ों का संगठन, प्रक्रियण एवं अन्वेषण लचीले तरीके से करने में प्रयुक्त सॉफ्टवेयर के किन्हीं दो तरीकों के नाम बताइए । **1**

Name any two software tools for organizing, processing and querying data in flexible manner.

20. अभिकलित्र लेखांकन सॉफ्टवेयर के किन्हीं चार लाभों को समझाइए । **4**

Explain any four advantages of computerized accounting software.

21. 'फार्म' का क्या अर्थ है ? 'स्प्लिट फार्म' 'साधारण फार्म' से किस प्रकार भिन्न है ? **4**

What is meant by a "Form" ? How 'Split Form' is different from 'Simple Form' ?

22. सॉफ्टवेयर के उस प्रकार का नाम बताते हुए समझाइए जो बहुउपयोगकर्ताओं तथा विभिन्न स्थानों पर फैले हुए बड़े व्यावसायिक संगठनों की आवश्यकताओं की पूर्ति करते हैं । **4**

Name and explain the type of software which meets the requirements of large business organizations with multi-users and scattered locations.

Downloaded From :http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From :http://cbseportal.com/

23. कंडीशनल फोर्मेटिंग को परिवर्तित करने के लिए, लिए जाने वाले चरणों का उल्लेख कीजिए । **6**

State the steps to be followed to change ‘Conditional Formatting’.

Downloaded From :http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From :http://cbseportal.com/

Downloaded From :http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE